



आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

प्रयागराज , शनिवार, 10 फरवरी, 2024

Download From

Adhunik
Samachar

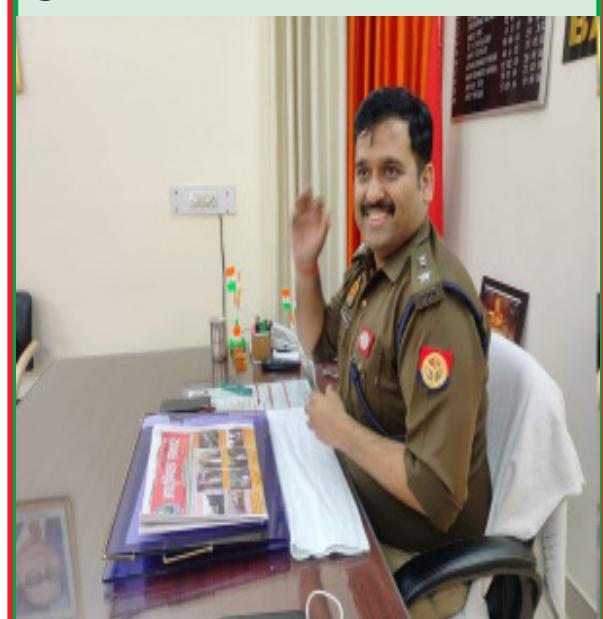
अष्टर्षीवाह महंत नूत्य गोपेल दास(जन्म - ११ जून १९३८) अयोध्या के सबसे बड़े मंदिर, मणि राम दास की छत्तरी के प्रमुख और राम जन्मभूमि न्याय और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के प्रमुख हैं, जो अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए गठित संस्थान हैं। वे श्री कृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के भी प्रमुख हैं।



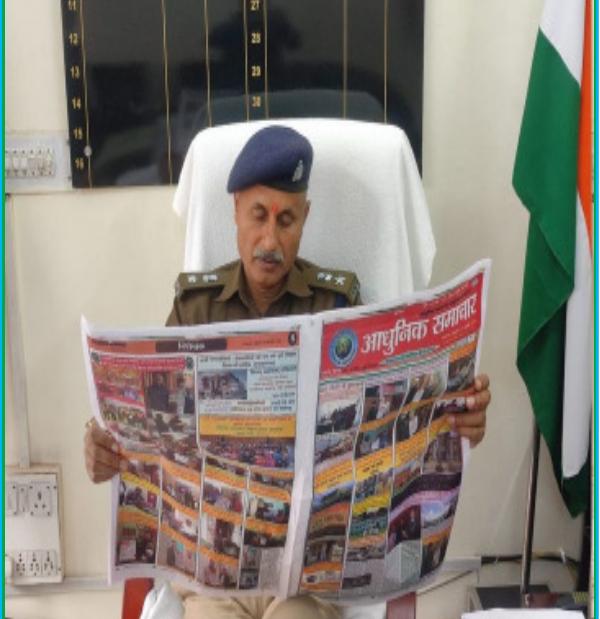
(वरिष्ठ आई पी एस)महानिदेशक्
अगिशमन एवं आपातकालीन सेवा



पुलिस अधीक्षक बाँदा



अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बाँदा



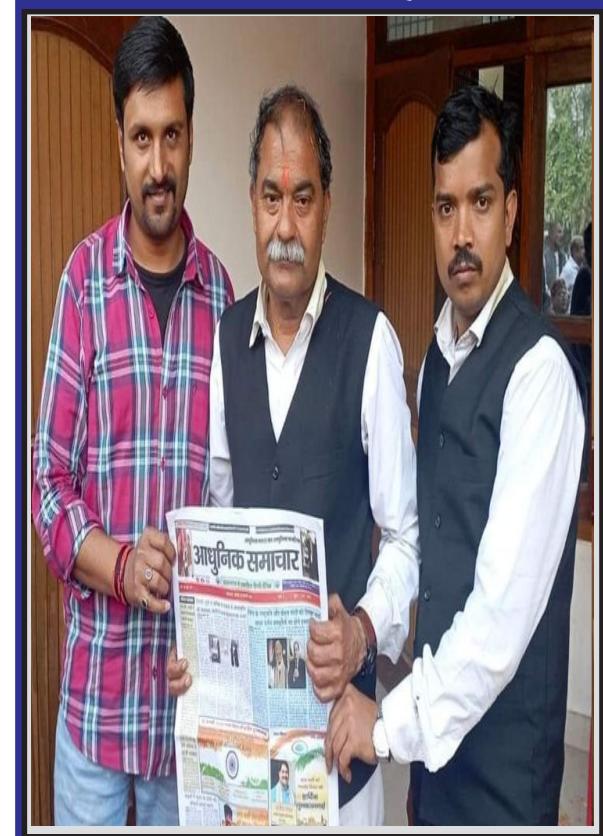
उपजिलाधिकारी बाँदा



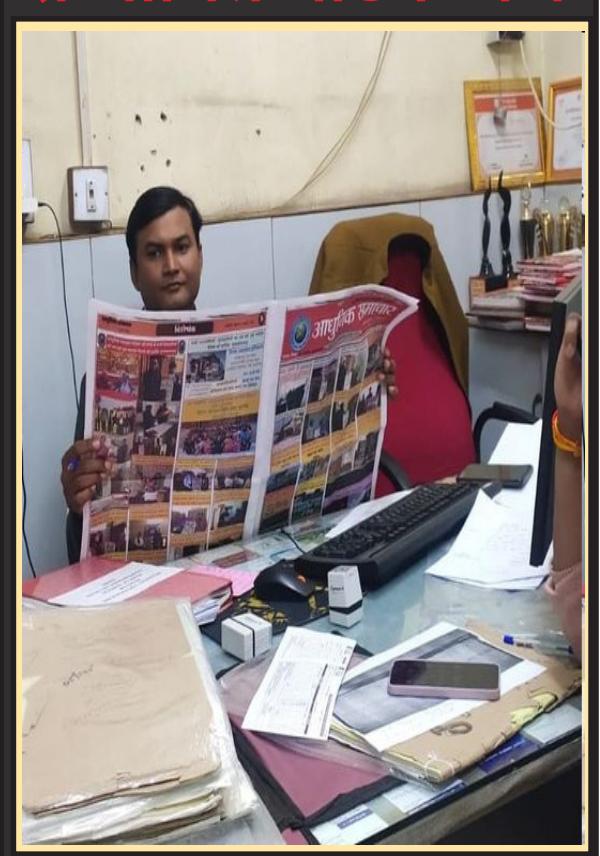
जिला सूचना अधिकारी बाँदा



सम्मानित हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के
अध्यक्ष श्री अशोक सिंह जी



सम्मानित पाठक गण



बाट-माप अधिकारी



सम्मानित पाठक गण



गौहनिया चौकी प्रभारी थाना घूरपुर



करमा चौकी प्रभारी थाना घूरपुर



सम्मानित पाठक गण



YouTube



Facebook



आधुनिक समाचार

**अमावस्या का मेला चप्पे-चप्पे पर
पुलिस मुस्तैद, सीसीटीवी कैमरे/
ड्रोन से हो रही निगरानी**

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। आज दिनांक 08.02.2024 को माघ मास के महा सनन पर्व मौनी अमावस्या के एक दिन पूर्व से ही संगम तट पर सननाथियों/श्रद्धालुओं का सनन और दान करने के लिए रेला उमड़ पड़ा है। तीर्थराज प्रयागराज की

साथ-साथ मोटर-बोट नियुक्त कर सननाथियों/श्रद्धालुओं की सुरक्षा हेतु कड़े प्रबन्ध किये गये हैं एवं गोताखोर/डीप डाइवर के भी समुचित प्रबन्ध किये गये हैं। स्टीमर के माध्यम से लगातार संगम घाटों की निगरानी की जा रही है। सुरक्षा क्लैं दृष्टिगत घाटों/जल में लगे पर ही सनन करें 2. झूसी की ओर से मेला क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं/सननाथियों से अनुरोध है कि झूसी की तरफ बने सनन घाटों पर सनन करें 3. शहर वासियों से अनुरोध है की नई सुविधा नया मार्ग का प्रयोग करते हुए हाशिमपुर कार्फ्फोवर के माध्यम से बृक्षी बाई

प्रयागराज, महिला सिपाही की बहन ने की आत्महत्या, कमरे में दुष्ट से लटका मिला शव, हड़कंप

(आधुनिक समाचार सेवा)
नैनी, प्रयागराज। मेंजा थाने में तैनात
महिला सिपाही की बहन का शव
कमरे में दुपट्टे के सहारे लटकता
मिला। इससे हड़कंप मच गया।
सूचना पर पुलिस ने मौके पर

पर थी। उसी दौरान उसकी बहन
किरन ने पंखे में दुपट्टा का सहारा
लेकर फंदा बनाया और उससे झूल
गई। इससे उसकी मौत हो गई।
इसकी सूचना थाने पर पहुंची तो
थानाध्यक्ष राजेश उपाध्याय के साथ



पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ब्रूक मुख्यालय मेजा के कर्मचारी कालोनी में रहने वाली महिला सिपाही कांदबंधी चौहान की छोटी बहन किरन (20) भी साथ रहती थी। बुधवार शाम को महिला सिपाही थाने पर ड्यूटी महिला सिपाही भी मौके पर पहुंच गई। यह देख महिला सिपाही फूट फूटकर रोने लगी। उसने क्यों आत्महत्या की, यह पता नहीं चल सका है। वह चार दिन पहले यहां आई थी। आत्महत्या की वजह स्पष्ट नहीं हो पा रही है।

थाना फाफामऊ पुलिस द्वारा 01
बलात्कार का नफर वांछित अभियुक्त
किया गया गिरफ्तार।

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। फाकामऊ पुलिस आयुक्त प्रयागराज रमित शर्मा के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध छलाए गए अभियान के अंतर्गत पुलिस उपायुक्त गंगानगर टीम उपनिरीक्षक विनय कुमार यादव एवम हेड का० अखिलेश कुमार थाना फाकामऊ द्वारा ०१ नगर ब्लॉकाकार का वाञ्छित अभियुक्त सागर सिंह पटेल उर्फ राजा पटेल पुत्र राजबहादुर निवासी मातादीन



अभिशे भारती के निर्देश के अंतर्गत थानाध्यक्ष फाफामऊ शांतनु चर्चर्वदी के कशल नेतृत्व में पलिस का पुरा थाना फाफामऊ जनपद प्रयागरा को गिरफ्तार कर आवश्यक वधिक कार्यवाही की गई।

**फार्म वाले जिम्मेदारों के आंख में धूल झोक
कर टैक्स का कर रहे हैं बड़े पैमाने पर चोरी**

प्रयागराज के लिए इसका उपयोग किया जाता है। शंकरगढ़ सरकार की ओर से गांव-गांव कराए जा रहे विकास कार्यों के लिए करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं। इस धनराशि से टीडीएस और जीएसटी जमा करने में खेल किया जा रहा है। सूत्र बताते हैं कि गांवों में हो रहे निर्माण कार्यों से नाम मात्र का टैक्स जमा कर होरा फेरी से लाखों का टैक्स से चोरी किया जा रहा है। वाणिज्य कर विभाग द्वारा इसकी समय-समय पर जांच न करने से ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत, जिला पंचायत व अन्य योजनाओं से आने वाली धनराशि से बड़े पैमाने पर ग्राम पंचायत आदि विभाग से हुए कार्यों में मटेरियल आपूर्तिकर्ता फर्म के बिलों से भुगतान के दौरान संस्थाओं को दो प्रतिशत टीडीएस कटौती कर संबंधित विभाग को बिल काटकर आयकर विभाग को अदा करना होता है। आगे सूत्रों की माने तो संबंधित विभाग काट तो लेता है लेकिन जमा नहीं करता है। वहीं आपूर्तिकर्ता को मटेरियल खरीद कर जीएसटी के रूप में 12 से 18 प्रतिशत टैक्स जमा करना होता है। फर्म को आईटीआर भरने पर उसके बिल से काटा गया दो प्रतिशत टीडीएस फर्म को गप्स करने का सीमेंट मोर्गे आदि मटेरियल खरीद कर भुगतानों से दो प्रतिशत की टीडीएस कटौती नहीं करती। कार्यदार्दी संस्था इंटरलॉकिंग ईंट, बालू, सीमेंट, भट्ठा ईंट मामूली या बिनाए मटेरियल खरीदे ही फर्म को लाखों रुपए का चेक दे देती है। फर्म चेक को अपने अकाउंट में लगाकर नगदी भुगतान कराने के बाद पांच प्रतिशत काटकर बाकी रुपए कार्य दूरी संस्था को नकद या किसी नजदीकी के खाते में भुगतान कर देती है। जिसका फर्जी बिल काटकर कार्यदार्दी संस्था को दे देती है। इन्हें फर्जी बिलों के जरिए कार्यदार्दी संस्था



टैक्स की चोरी हो रही है। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयकर विभाग जिले के सरकारी कार्यालयों के विभागाध्यक्षों और उनके अकाउंटेंट के साथ टीडीएस कटौती और जीएसटी जमा करने के लिए प्रत्येक वर्ष कार्यशाला का आयोजन किया जाता है। टैक्स को किस रूप में जमा करना है इसकी भी विधिवत जानकारी दी जाती है। नियमानुसार बिजली विभाग, पी डब्ल्यू डी, लघु सिंचाई विभाग, स्वास्थ्य विभाग, नगर पंचायत, सांसद निधि, विधायक भी प्रावधान है। लेकिन बाद में बिल भुगतान में कटौती की गई टीडीएस और मटेरियल आपूर्तिकर्ता की जमा की गई जीएसटी के मिलान का भौतिक सत्यापन नहीं किया जा रहा है जो जांच का विषय है। फर्मे टिन डिक्शन नंबर लेने के बावजूद मामली जीएसटी जमा कर टैक्स चोरी कर रही है। कार्यदाई संस्थाएं टैक्स चोरी के साथ कुछ इस तरह से गोलमाल करती हैं। सूत्र बताते हैं कि शंकरगढ़ क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों में सेल्स टैक्स के भौतिक सत्यापन न करने से करोड़ों बिल लगाकर खाते में भुगतान कर लेती है। सरकारी योजनाओं के तहत करोड़ों के काम कराये जा रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि इसमें टीडीएस और जीएसटी का टैक्स जमा होना चाहिए पिछले कुछ सालों से इसका ऑडिट भी नहीं हुआ है। जिसमें जमकर खेल किया जा रहा है जो जांच का विषय है। सूत्र बताते हैं कि शंकरगढ़ क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों में लाखों की टैक्स चोरी हो रही है किर भी संबंधित विभाग जानकार कैसे अनजान बना हुआ है यह जांच का विषय है।

ଆଧୁନିକ ଗେଟ ହାତସ

- वाटर प्रूफ शेड
 - पार्किंग की सुविधा
 - मन्दिर की सुविधा
 - सी.सी.टीवी.
 - छोटे-बड़े कार्यक्रमों के अलग-अलग रेट
 - 45000 sq. feet. एरिया
 - हरे-भरे वातावरण
 - AC कमरा (VIP)

CALL: 9519313894,9415608783, 9415608710

आधुनिक समाचार पब्लिशिंग हाउस, यूपीएसआईडीसी, रेमण्ड रोड, औद्धोगिक थाने के पीछे भारत पेटोलियम के पहले औद्धोगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज



विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्टर पर किया विरोध प्रदर्शन सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार सेवा) सोनभद्र। केरल व अन्य राज्यों के साथ सरकारों के उदाहरणे पर रोट लगानी किए जा रहे हैं भेदभाव के विरोध में महायाहिम राष्ट्रपति के नाम जिलाधिकारी का सौंपा ज्ञापन तकाल प्रभाव से हस्तक्षेप करने की किया मांग - नन्दलाल आर्य जिला मंत्री सीबीआईएम। भारत की काम्यनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) मांगों के आवाहन पर देश व्यापी अंदोलन के तौर पर केंद्र के साथी सरकार द्वारा केरल व अन्य विषयों के विवाद सरकारों के मामले में हस्तक्षेप करने के लिए केंद्र सरकार विषय के विषय में हस्तक्षेप करने के लिए केंद्र प्रायोजित योजनाओं का उपयोग करना बंद करें। केंद्र सरकार विषय के विषय में हस्तक्षेप करने के लिए एडी, सीबीआईएम व आयकर विभाग का दुरुपयोग करना बन्द करें। राज्य सरकारों के मामले में हस्तक्षेप करने के लिए राज्यपालों को अपनी संवैधानिक स्थिति का दुरुपयोग तकरना बन्द करना चाहिए। राज्यपालों को कुलपति के पद का दुरुपयोग कर राज्य विश्व अंदोलन के तौर पर केंद्र के साथी सरकार द्वारा केरल व अन्य विषयों के विवाद सरकारों के मामले में हस्तक्षेप करने के लिए राज्यपालों को नियमन बनाने वह परेशन करने के लिए एडी, सीबीआईएम व आयकर विभाग का दुरुपयोग करना बन्द करें। राज्य सरकारों के मामले में हस्तक्षेप करने के लिए राज्यपालों को अपनी संवैधानिक स्थिति का दुरुपयोग तकरना बन्द करना चाहिए। उन्होंने परिषिक के द्वारा प्रतिरोध करते हुए कि केंद्र के साथी सरकार जो आरएसए के इसारे पर चल रही

लेखपाल संघ के तहसील अध्यक्ष गोपेन्द्र पाण्डेय ने गुरु जी से लिया आशीर्वाद

(आधुनिक समाचार सेवा) हुए कहा कि गुरु जी के रॉबटांज़ा। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के पदाधिकारियों का चुनाव हुए कहा कि गुरु जी के आशीर्वाद से नई जिम्मेदारी मिली है जिसका निर्वाहन पूरी निष्ठा से



आपसी भाईचारे को लेकर समुदाय की बैठक में की गई चर्चा

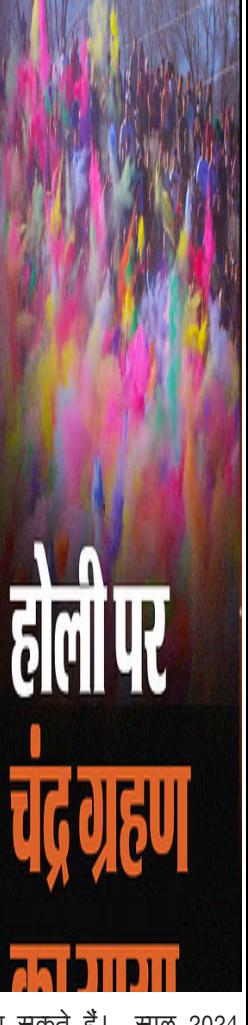
(आधुनिक समाचार सेवा) डाला, सोनभद्र। चौथन थाना क्षेत्र के जवाहराड़ा में जीडीसीएल कम्पनी में कार्य कर रहे सुरक्षा गार्ड के साथ चोरी करने आए चोरों ने पकड़ा भी परन्तु चारों चोरों ने मिलकर गार्ड को बुरी तरह से मार कर घायल करके लालते बने वही घायल सुरक्षा गार्ड विदेशी ने बताया कि वह यहां लगभग सात वर्षों से सुरक्षा गार्ड की इयूटी में कार्य कर रहा है और पहले चोरी की घटना घट चुकी है और उसमें चोरों द्वारा चोरी में गए समानों का पैसा सुरक्षा गार्ड के पां पर कार्य कर रहे गरीबों से पैसा काट लिया जाता रहा है और कार्यवाई कुछ भी नहीं किया गया है लिकिन आज की घटना से गार्ड ने बताया चोरों द्वारा किए गए हमले से जान की खतरा महसूस कियात् वही कम्पनी के इंचार्ज अशोक कुमार उपाध्याय ने कानूनी कार्यवाई करने की बात कहते हुए घायल सुरक्षा गार्ड को लेहर चोपन थाने ले गए इस सर्वत्र में चोपन थानाध्यक्ष प्रताप सिंह ने बताया कि उन मामले तहार यांगी की घोषित के दिशा निर्देश के क्रम

विद्यालयों के संचालन में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। राज्यपालों को राज्य विधान सभा द्वारा पारित कानून का दबावर बैठने की जाय उन्हें बिना देनी चाहिए इत्यादि मांगों की साथ चोरी को संवैधानिक फंड होता है वही राज्य विधान सभा के भेज कर भयभीत करने के खिलाफ एक जुटा प्रकट करते हुए मारकां और अन्य जनसंगठनों के द्वारा 07 सूची मांग और अन्य राज्यों को उनके करों और अंदर जनसंगठनों के द्वारा 7 सूची मांग नियमन सभा का साथ अन्य ग्रामीण जनता रहे गार्ड ने चोरों को पकड़ने की कोशिश की जिसमें एक चार को

सम्पादकीय

चंद्र ग्रहण के साए में होली, जानिए त्योहार पर क्या होगा इसका प्रभाव

इस साल होली का त्योहार 25 मार्च को है, लेकिन इस बार होली के रंग में भंग पड़ने वाली है, क्योंकि इसी दिन साल 2024 का पहला चंद्र ग्रहण भी लगने जा रहा है। फाल्गुन माह में शुक्र पक्ष की पूर्णिमा की रात होलीका दहन किया जाता है और इसके अगले दिन होली का रंग भंग पड़ने वाली है, क्योंकि इसी दिन साल 2024 का पहला चंद्र ग्रहण 10 बजकर 23 मिनट से शुरू होगा, जो दोपहर 03 बजकर 02 मिनट तक रहेगा। हालांकि इस चंद्र ग्रहण को भारत में नहीं देखा जा सकेगा, जिस कारण से इसका सूकृत काल भी मान्य नहीं होगा और इसका प्रभाव भी होली के त्योहार पर नहीं होगा। इसलिए आप बिना कीसी चिंता के होली का त्योहार



चंद्र ग्रहण भी लगने जा रहा है। वैसे तो ग्रहण एकमात्र खगोलीय घटना है, लेकिन इसे में शुभ नहीं माना जाता है। कहा जाता है कि ग्रहण के दौरान कई प्रकार की नकारात्मक ऊर्जा निकलती है, जिसका प्रभाव संपूर्ण ब्रह्मांड पर पड़ता है, इसलिए इस साल होली पर चंद्र ग्रहण का लगना भी लगातार 25 मार्च को है, लेकिन इस बार होली के रंग में भंग पड़ने वाली है, क्योंकि

इसी दिन साल 2024 का पहला

आखिर ट्रूडो को परेशानी क्या है, महाशक्तियों से रिश्ते बिगाड़ चुका है उनका यह मिजाज

मनमौजी ट्रूडो की खुफिया सेवाओं का भारत पर कनाडा के लोकतांत्रिक संस्थानों को नष्ट करने का आरोप दिया। कई पूछ सकता है कि इसका सबूत क्या है? खैर, कनाडा में हैरान नहीं करता, क्योंकि मनगढ़त और बेबुनियाद आरोप लगाने की इसी आदत के चलते उहोंने अमेरिका, चीन और विद्युत की बड़ी शक्तियों के साथ अपने रिश्ते खराब किए हैं। यामायण में भगवान राम के भरोसें से सखा हुन्मान जी को अपनी महान शक्ति को भूलने का आदेश दिया। कई पूछ सकता है कि इसका बड़ा वर्ग है, जो भारत-हिन्दूओं ने उन्होंने भारतीय मूल के कानाडाई नागरिक हैं और कनाडा के कानून के तहत ही उन्हें कानाडाई नागरिकता मिली है। लेकिन ट्रूडो विलाप करते हुए कहते हैं, 'हम कानून के राज में विशाल भंडार की खोज के बारे में उसने बेशी से झूल बोला था। अपने सहयोगियों के साथर्थन के बिना कनाडा की सेना भूतान जिती ही मजबूत है। उसने यूक्रेन से जिन हथियारों का बादा किया, वह अब तक बन भी नहीं पाए है।' आधुनिक तीव्रतासे धर्ती पर एक कनाडाई की हत्या की जांच में 'सहयोग' करें, लेकिन वह हमें यह भी बताने

पर्याप्त नहीं है। लेकिन ट्रूडो के बारे में विशाल भंडार की खोज के बारे में उसने बेशी से झूल बोला था। अपने सहयोगियों के साथर्थन के बिना कनाडा की सेना भूतान जिती ही मजबूत है। उसने यूक्रेन से जिन हथियारों का बादा किया, वह अब तक बन भी नहीं पाए है।' आधुनिक तीव्रतासे धर्ती पर एक कनाडाई की हत्या की जांच में 'सहयोग' करें, लेकिन वह हमें यह भी बताने

एयर इंडिया के विमानों को उड़ाने की धमकी दी, तो ट्रूडो ने कहा कि यह अधिकारी की स्वतंत्रता है। तो अगर कुछ अप्रिय हुआ, तो क्या इसे ट्रूडो के कानून के मुताबिक कार्रवाई की स्वतंत्रता माना जाए? भारत एक परिषक और शतिष्ठाली लोकतंत्र है। विदेश मंत्री ने नवबर, 2023 में लदन में कहा कि कनाडा चाहता है कि हम उसकी धर्ती पर एक कनाडाई बड़े और कम आवासीय वाले पश्चिमी देश के प्रधानमंत्री ने सबसे ताकतवर

पर्याप्त नहीं है। राष्ट्रों के बीच भरोसा कायम करने में दशकों लां जाते हैं। लेकिन रिश्ते खराब करने के लिए कुछ गलत बायान ही काफी होते हैं। भारत एक अपरिषक और शतिष्ठाली लोकतंत्र है। विदेश मंत्री को लेकर विभिन्न दलों में वहां आम सहमति है। ट्रूडो ने कई प्रमुख शतिष्ठीयों के साथ अपने रिश्ते खराब किए हैं।



मौनी अमावस्या कल, जानिए मुहूर्त, महत्व और उपाय

मौनी अमावस्या के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं। शास्त्रों में इन्होंने रहकर दान और सनन करने का विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि इस दिन किसी पवित्र नदी में सनन के बाद दान करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है। माघ माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या की माघी अमावस्या या मौनी अमावस्या कहा जाता है। मौनी अमावस्या के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं। इस साल मौनी अमावस्या को वाले चंद्र ग्रहण के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं।

मौनी अमावस्या को वाले चंद्र ग्रहण के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं।

मौनी अमावस्या को वाले चंद्र ग्रहण के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं।

मौनी अमावस्या को वाले चंद्र ग्रहण के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं।

मौनी अमावस्या को वाले चंद्र ग्रहण के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं।

मौनी अमावस्या को वाले चंद्र ग्रहण के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं।

मौनी अमावस्या को वाले चंद्र ग्रहण के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं।

मौनी अमावस्या को वाले चंद्र ग्रहण के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं।

मौनी अमावस्या को वाले चंद्र ग्रहण के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं।

मौनी अमावस्या को वाले चंद्र ग्रहण के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं।

मौनी अमावस्या को वाले चंद्र ग्रहण के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं।

मौनी अमावस्या को वाले चंद्र ग्रहण के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं।

मौनी अमावस्या को वाले चंद्र ग्रहण के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं।

मौनी अमावस्या को वाले चंद्र ग्रहण के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं।

मौनी अमावस्या को वाले चंद्र ग्रहण के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं।

मौनी अमावस्या को वाले चंद्र ग्रहण के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं।

मौनी अमावस्या को वाले चंद्र ग्रहण के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं।

मौनी अमावस्या को वाले चंद्र ग्रहण के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं।

मौनी अमावस्या को वाले चंद्र ग्रहण के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं।

मौनी अमावस्या को वाले चंद्र ग्रहण के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं।

मौनी अमावस्या को वाले चंद्र ग्रहण के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं।

मौनी अमावस्या को वाले चंद्र ग्रहण के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं।

मौनी अमावस्या को वाले चंद्र ग्रहण के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं।

मौनी अमावस्या को वाले चंद्र ग्रहण के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं।

मौनी अमावस्या को वाले चंद्र ग्रहण के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं।

मौनी अमावस्या को वाले चंद्र ग्रहण के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं।

मौनी अमावस्या को वाले चंद्र ग्रहण के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं।

मौनी अमावस्या को वाले चंद्र ग्रहण के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं।

मौनी अमावस्या को वाले चंद्र ग्रहण के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं।

मौनी अमावस्या को वाले चंद्र ग्रहण के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं।

मौनी अमावस्या को वाले चंद्र ग्रहण के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं।

मौनी अमावस्या को वाले चंद्र ग्रहण के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं।

मौनी अमावस्या को वाले चंद्र ग्रहण के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं।

मौनी अमावस्या को वाले चंद्र ग्रहण के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की दुकुपी लगाते हैं।

</div

